M. T. B. COLLEGE, SURAT
Manuscripts Library

No Ref.
Ser. 1535

Title: Tripura Sundari Mantra

1535

In Complete

Tripur Sundari Mantra	Title
	Author
	Editor
	Year, Vols.
	Publisher
1535	Remarks

न्यैनमः॥कामेश्वरविलासिंन्यैनमः॥कामेश्वरतपसिध्यै
नमः॥कामेश्वरमनप्रियायैनमः॥कामेश्वरप्राणनाथा
यैनमः॥कामेश्वरविमोहिन्यैनमः॥कामेश्वरब्रह्मविद्या
यैनमः॥कामेश्वरग्रहेश्वर्यैनमः॥कामेश्वर्यैनमः॥काम
कोटीनिलयायैनमः॥कांक्षीतार्थदायैनमः॥कामेश्वरा
ल्हादकर्यैनमः॥कामेश्वरमहेश्वर्यैनमः॥२०॥लकारिंण्यै
नमः॥लब्धरूपायैनमः॥लब्धधीयैनमः॥लब्धवांछी
तायैनमः॥लब्धपादमनोदुरायैनमः॥लब्धहकार द

र्गमायै नमः॥ लब्धशाक्त्यै नमः॥ लब्ध[illegible] नमः॥ लब्ध
संपत्समुन्नतायै नमः॥ लब्धवुद्ध्यै नमः॥ लब्धलीलायै
नमः॥ लब्धयौवनशालिन्यै नमः॥ लब्धातिशयसर्वांग
सौंदर्यायै नमः॥ लब्धविभ्रमायै नमः॥ लब्धरागायै न
मः॥ लब्धपतये नमः॥ लब्धानंगमागमस्थितये नमः॥
लब्धभोगायै नमः॥ लब्धसुखायै नमः॥ लब्धहर्षाभि
पुजितायै नमः॥ २०॥ ह्रींकारमूर्त्यै नमः॥ ह्रींकारसौ
धशृंगकपोतिकायै नमः॥ ह्रींकारदुग्धाब्धीसुधायै नमः॥

ह्रींकारकमलेंदिरायै नमः॥ ह्रींकारमणिदीपार्च्चीषे नमः॥
ह्रींकारतरुशारिकायै नमः॥ ह्रींकारपेटकमणये नमः॥
ह्रींकारदर्शबिंबीतायै नमः॥ ह्रींकाराकोशासीलतायै
नमः॥ ह्रींकारास्थाननर्तक्यै नमः॥ ह्रींकारशुक्तिका
मुक्तामणये नमः॥ ह्रींकारबोधितायै नमः॥ ह्रींकार
मयसौवर्णस्तंभविद्रुमपुत्रिकायै नमः॥ ह्रींकारवेदो
पनिषदे नमः॥ ह्रींकाराध्वरदक्षिणायै नमः॥ ह्रींकारनंद

ह्रीं[illegible]मनवकल्पकवल्ल्यै नमः ह्रींकारहिमवद्गंगा॥ १५
यै नमः॥ ह्रींकारार्णवकौस्तुभायै नमः॥ ह्रींकारमं-
त्रसर्वस्वायै नमः॥ ह्रींकारपरसौख्यदायै नमः॥२०॥
श्रीमहात्रिपुरसुंदर्यै नमः॥ श्रीगुरुभ्यो नमः॥ ॥